मुस्लिम राजनीतिक चिंतन के विकास में 'सर सैयद अहमद खाँ की भूमिका

डॉ. नूरजबी

सर सैयद अहमद के आंदोलन का गहरा प्रभाव मुसलमानों पर पड़ा। सैयद अमीर अली, मौलवी चिराग अली, सर शेख मोहम्मद इकवाल, प्रो0 एस0 खुदाबख्स और प्रो0ए0एम0 मौलवी आदि इनके समर्थक थे जिन्होंने आंदोलन को जानदार बनाया। आंदोलन से प्रभावित होकर सम्प्रदाय की सेवा के लिए बहुत से अंजुमन कायम किए गए और एक शक्तिशाली मुस्लिम प्रेस का विकास हुआ। सुधार की भावना से मुस्लिम नारियाँ भी काफी दूर तक प्रभावित हुई। 1914 ई0 से अखिल भारतीय मुस्लिम महिलाओं की सभाएँ होने लगी। भोपाल की बेगम साहिवा ने 1918 ई0 में अखिल भारतीय नारी सभा का सभापतित्व किया। उन्होंने अपने राज्य में स्त्रियों के लिए बहुत – से सामाजिक तथा शिक्षा संबंधी सुधारों को चलाया। कुलीन तथा शिक्षित क्षेत्रों की प्रमुख महिलाओं ने पर्दा करना छोड़ दिया। वे उच्च शिक्षा ग्रहण करने लगी और राजनीति में भाग लेने लगी।

सर सैयद अहमद के अतिरिक्त मुसलमानों में आधुनिकता लाने का कार्य कई अन्य मुस्लिम राजनेताओं एवं संस्थाओं ने भी किया। इस संदर्भ में देववंद आंदोलन ने विशिष्ट भूमिका निभायी।